07.12.2023 पत्रावली पेश हुई।

वादीगण [illegible]स्थित।

वादीगण [illegible] द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए [illegible] वाद जरिये राजीनामा के विड्रो करने का निवेदन किया।

वादीगण वकील की बहस है कि उक्त वाद में [illegible] मध्य गांव के [illegible]जिज व्यक्तियों एवं आपसी समझाईश से [illegible] हो गया है [illegible] ओर [illegible] लोकहित की भावना से प्रेरित होकर हम [illegible] प्रस्तुत [illegible] को विड्रो करना चाहते है। ऐसी स्थिति [illegible] प्रार्थना [illegible] स्वीकार करते हुए वाद जरिये राजीनामा के विड्रो [illegible] किया जाये।

हमने वादीगण वकील के द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों का मनन एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया, चूंकि पक्षकारान के मध्य आपसी समझाईश एवं लोकभावना से प्रेरित होकर राजीनामा किया जाकर उक्त वाद को जरिये विड्रो खारिज करवाना चाहते है, ऐसी स्थिति में लोकभावना को दृष्टिगत वादीगण का प्रार्थना पत्र न्यायहित में स्वीकार किया जाना अदालत उचित समझती है।

अतः वादीगण वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए उक्त वाद इसी स्तर पर जरिये राजीनामा विड्रो के खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर एवं नम्बर से कम हो।

सहायक [illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Pramod Kumar
Date: 2024.02.07 14:45:34 IST
Reason: SelfAttested